23-5-21

8955 आवेदन आए, सिर्फ 803 को मिले ई-पास

बाहर निकलने वालों की संख्या घटी, फीवर क्लीनिक पर कम पहुंचे लोग

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शनिवार को ई-पास की व्यवस्था लागू होने के बाद शहर में पुलिस की सख्ती भी रही। बाहर निकलने वालों से पूछताछ की जाती रही। इसका असर यह रहा कि बाहर निकलने वालों की संख्या कम हो गई। सुबह से ही सेजावता, बंजली, सालाखेड़ी पर चेकिंग में ई-पास वालों को ही प्रवेश दिया गया। सब्जी लेकर आए लोगों को वापस भेजने के साथ ही चालान भी बनाए गए। तय समय के बाद दूध वितरित कर रहे विक्रेताओं पर भी चालानी कार्रवाई की गई।

• कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि जिले में संक्रमण दर शून्य करने के लिए 10 दिन सभी को सहयोग करना होगा। ई-पास व्यवस्था में मेडिकल ग्राउंड वाले आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। अनावश्यक कार्य के लिए एवं अधूरे तथा बिना दस्तावेज के आवेदन न करें। शनिवार शाम सात बजे तक ई-पास के लिए आनलाइन मिले 8955 आवेदन में से 803 ई-पास जारी किए गए। 6262 आवेदन ठोस कारण, अपूर्ण जानकारी, दस्तावेज नहीं होने पर निरस्त किए गए है। वहीं 1890 शेष आवेदनों का परीक्षण कर पास जारी करने की कार्रवाई की जा रही है।

दूध विक्रेताओं का समय बदला: कलेक्टर ने प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन कर घर-घर जाकर दूध वितरण करने वाले दूध विक्रेता तथा दूध पार्लर से पैकेट आपूर्ति के लिए कोरोना कर्फ्यू अवधि में सुबह छह से नौ बजे तक एवं शाम 5:30 से रात 8:30 बजे तक दूध वितरण करने की अनुमति दी है।

फीवर क्लीनिक पर नहीं दिखी भीड़: जिला अस्पताल परिसर स्थित फीवर क्लीनिक पर सख्ती से पहले बड़ी संख्या में मरीज जांच करवाने पहुंच रहे थे, लेकिन शनिवार को केंद्र इक्का-दुक्का लोग ही जांच कराने पहुंचे। इसके पहले क्लीनिक के बाहर लंबी-लंबी कतार लग रही थी।

मेडिकल इमरजेंसी में पास की जरूरत नहीं: कलेक्टर ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में 1075 पर काल करने पर एंबुलेंस की निशुल्क सुविधा मिल जाएगी। ऐसी स्थिति में वाहन में मरीज के होने पर कोई भी वाहन रोका नहीं जाएगा। उसके लिए ई पास नहीं मांगा जाएगा।

क्लीनिक पर भीड़ नहीं हो: कलेक्टर ने कोरोना व अन्य बीमारियों के उपचार में लगे अस्पतालों के प्रबंधक डाक्टर को निर्देशित किया है कि वे मरीजों को देखने के लिए अपाइंटमेंट दें, ताकि मरीज तय समय पर आए और क्लीनिक पर भीड़ एकत्रित नहीं हो, संक्रमण नहीं फैले। निर्देशों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल परिसर स्थित फीवर क्लीनिक पर शनिवार को जांच कराने वालों की भीड़ कम रही। • नईदुनिया

नियम के उल्लंघन करने पर की जाएगी कार्रवाई

सेमलिया। ग्राम सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस व प्रशासन का कड़ा रुख अपना लिया है। बेवजह घूमने वालों पर सख्ती दिखाई जा रही है। नियमों का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है। ग्राम में दुकानें खुली होने की जानकारी मिलने पर पुलिस व राजस्व विभाग का अमला कार्रवाई करने पहुंचा। सभी दुकानें बंद मिलने पर नामली थाना प्रभारी वीपी सिंह, एसडीओपी मनीषसिंह, तहसीलदार मुकेश सोनी, पटवारी महेंद्र बारिया व अन्य अधिकारियों ने व्यापारियों और ग्रामीणों से कोविड-19 नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी। अब उल्लंघन करने पर समझाइश या चालानी कार्रवाई नहीं की जाएगी, सीधे हिरासत में लेकर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। इसमें किसी प्रकार की कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

भ्रमण कर दी सख्त हिदायत

सैलाना। जनता कर्फ्यू का पुलिस प्रशासन ने शनिवार को सख्ती से पालन करवाया। सख्ती के कारण आमजन अधिकतर घरों में ही रहे और घरों से ही अपने काम निपटाए। एसडीएम कामनी ठाकुर व थाना प्रभारी शिवमंगलसिंह सेंगर ने दल-बल नगर के विभिन्न क्षेत्र का भ्रमण कर अनावश्यक घूम रहे लोगों को घर भिजवाया। साथ ही हिदायत दी कि अनावश्यक घर के बाहर घूमने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने बताया कि 31 मई तक यह सख्ती जारी रहेगी। कंटेनमेंट क्षेत्र के लोग या उनके स्वजन बाहर नहीं निकलें। उन्हें सुविधाएं घर पर ही भिजवाई जाएगी।

55 लोगों को खुली जेल में रखा

आलोट। कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने के लिए प्रशासन द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद पुलिस व राजस्व विभाग के दल ने बेवजह घूमने वालों पर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया। शनिवार को स्टेशन रोड पर नायब तहसीलदार रानू माल एवं थाना प्रभारी दीपक शेजवार की टीम ने बेवजह घूमने वालों को रोककर पूछताछ की और संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर डा. आंबेडकर भवन में खुली जेल में भेजकर कोविड टेस्ट कराया। थाना प्रभारी शेजवार ने बताया कि 55 लोगों को पकड़ कर धारा 151 में कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार को 70 लोगों की आरटीपीसीआर जांच कर सैंपल रतलाम मेडिकल कालेज भेजे गए। 50 लोगों के एंटीजन टेस्ट में एक भी पाजिटिव नहीं मिला।

आलोट में बेवजह घूमने वालों की जांच करते हुए स्वास्थ्यकर्मी। • नईदुनिया

सेमलिया में ग्रामीणों को हिदायत देते हुए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी। • नईदुनिया

आलोट के स्टेशन रोड पर आने-जाने वाले को रोकते हुए प्रशासनिक अमला। • नईदुनिया

ई-पास व्यवस्था: सड़कें हुई खाली, पुलिस और प्रशासन सख्त

रतलाम। जिले में कोरोना की रोकथाम के लिए सख्त लॉकडाउन शुरू हो गया। सख्त लॉकडाउन का पालन करवाने लिए ई-पास व्यवस्था लागू होने के पहले दिन नई व्यवस्था का असर शहर की सड़कों पर देखने

▸ मुख्य चेकिंग पाईंट पर सख्ती से चेकिंग

▸ कई रास्ते भी किए बंद

को मिल रहा है। पुलिस की सख्ती भी प्रमुख चेकिंग पाँइंट पर देखने को मिल रही है। प्रशासन ने सख्ती के साथ ही आवागमन के रास्तों को भी बंद किया, जिससे की लापरवाही करने वाले बेचकर न निकले और बेवजह सड़क पर न आए।

दरअसल रतलाम जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार को कम करने के लिए मुख्यमंत्री के

दिन सख्ती का असर भी रतलाम कि सड़कों पर नजर आ रहा है। जहां गिनी चुनी संख्या में ही वाहन

प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव आज दोपहर में लेंगे कोरोना नियंत्रण की समीक्षा बैठक

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव आज रतलाम आएंगे। वे यहां जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर निरीक्षण और जानकारी लेंगे। साथ ही कोरोना नियंत्रण की समीक्षा बैठक भी लेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार 23 मई को प्रातः 11.30 बजे महिदपुर से रतलाम जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।दोपहर 12बजे आलोट एवं ताल की कोविड बैठक रेस्ट हाउस आलोट में लेंगे। दोपहर 1.30 बजे जावरा आगमन एवं रेस्ट हाउस जावरा में कोविड समीक्षा बैठक लेंगे। दोपहर 2 बजे रतलाम आगमन। दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कोरोना नियंत्रण की समीक्षा बैठक लेंगे। शाम 5 बजे मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित कोरोना नियंत्रण की कोर ग्रुप एवं जिला प्रभारी मंत्रियों की वीसी द्वारा आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। रात्रि 8 बजे रतलाम से उज्जैन के लिए प्रस्थान करेंगे।

मेडिकल ग्राउण्ड वाले आवेदनों को त्वरित जारी किए जा रहे हैं

इन्दौर समाचार 23-5-21

409 ई पास जारी किए अनावश्यक कार्य वाले ई पास हेतु आवेदन न करें

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है रतलाम शहर में लागू ई पास व्यवस्था में मेडिकल ग्राउंड वाले आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। अनावश्यक कार्य के लिए एवं अधूरे तथा बिना दस्तावेज संलग्न आवेदन करने वाले नागरिकों से उन्होंने कहा है कि ऐसा नहीं करें। ई पास हेतु आवेदन करते समय पूर्ण जानकारी भरे तथा आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न करें इसके साथ ही जितनी अवधि के लिए ई पास की आवश्यकता है उसका भी उल्लेख करें। अनावश्यक अधिक अवधि के लिए आवेदन न करें।

आवेदनों के त्वरित निराकरण में जुटी है टीम

शुक्रवार दोपहर 3 बजे से ही पास के लिए आवेदन प्राप्त होने के बाद इस कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारियों द्वारा आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जाना प्रारंभ कर दिया गया था। एसडीएम श्री अभिषेक गेहलोत के मार्गदर्शन में रात्रि 9 बजे तक कर्मचारी आवेदनों का निराकरण करते रहे। शनिवार प्रातः 8 से पुनः प्राप्त आवेदनों के निराकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। शनिवार प्रातः 10 बजे तक ई पास के लिए लगभग 7500 आवेदन मिले। मेडिकल ग्राउंड वाले 409 लोगों को शनिवार प्रातः 10 बजे तक ई पास जारी कर दिए गए हैं। 3000 आवेदन ठोस कारण, अपूर्ण जानकारी, दस्तावेज नहीं होने पर निरस्त किए गए हैं। शेष आवेदनों का परीक्षण कर पास जारी करने की कार्रवाई की जा रही है। एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गेहलोत ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल ग्राउंड (अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर, परिजन हेतु, चिकित्सकीय परामर्श हेतु, कोविड जांच, सिटी स्कैन, ब्लड जाँच, एक्सरे, सोनोग्राफी आदि की जांच हेतु, मेडिकल स्टोर से दवाई करने) हेतु ई पास प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जा रहे है। ऐसे ई पास 1 घंटे की अवधि में जारी किए जा रहे है।

आवेदन अधूरे न भरें, दस्तावेज अवश्य संलग्न करें

उन्होंने बताया कि अनावश्यक कारणों से ई पास के लिए अभी भी लोग आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों से आग्रह किया है कि वह ई पास के लिए आवेदन न करें। साथ ही आवेदन पूरी तरह भरे एवं उसमें संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज अवश्य संलग्न करें। पूर्ण जानकारी एवं दस्तावेज न होने के कारण आवेदनों का निराकरण संभव नहीं होगा। इसलिए आवेदक सुनिश्चित कर लें कि आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न किए गए है।

ये आवेदन नहीं करें

कोरोना कर्फ्यू पास के संबंध में जिला प्रशासन ने पुनः स्पष्ट किया है कि निम्नलिखित सेवाओं वालों को कर्फ्यू पास नहीं बनवाने है, बल्कि उनके पास उपलब्ध

पास मान्य रहेंगे। शासकीय सेवक (राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगरपालिका, पंचायत, रेलवे आदि) विभाग के कर्मचारियों को विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा। बैंक कर्मी को बैंक द्वारा जारी पहचान पत्र बैंक कार्य अवधि में मान्य रहेगा। मीडिया कर्मियों को मीडियाकर्मी का पहचान पत्र मान्य रहेगा। फैक्ट्री वर्कर को एसडीएम कार्यालय रतलाम शहर से पूर्व में जारी पास मान्य रहेंगे प्राइवेट अस्पताल क्लीनिक, मेडिकल स्टोर, दवाइयों के थोक विक्रेता, पैथोलॉजी लैब वाले को एसडीएम कार्यालय रतलाम शहर से ऑफलाइन पास प्राप्त करें। अभिभाषकों को कोर्ट की निर्धारित समयावधि में बार काउंसिल द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा।

ंक्रमित

रहे काबू

ाल पर नजर

मई	330	215
2 मई	305	314
3 मई	298	282
4 मई	270	277
5 मई	244	369
6 मई	190	344
7 मई	170	321
8 मई	160	377
9 मई	162	338
0 मई	146	278
1 मई	132	340

- अजीत छाजेड़, अध्यक्ष, डा. काटजू मंडी व्यापारी संघ जावरा

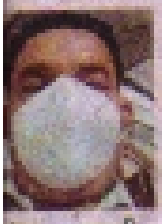

ंकर चलवानी

कोरोना के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी हास्पिटल जाकर दिखाएं। घरेलू उपचार बिना डाक्टर की सलाह

नहीं लें। टीकाकरण हमारे परिवार के थ-साथ देश के लिए भी आवश्यक है। गज की दूरी मास्क है जरूरी। टीका

मेडिकल कालेज में 75 आक्सीजन बेड खाली

रतलाम। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि शनिवार को 41 मरीज डिस्चार्ज हुए और 13 नए मरीज भर्ती हुए। मेडिकल कालेज हास्पिटल के कुल 550 बेड में आइसीयू के सभी 56 बेड फुल हैं, एचडीयू में 172 बेड में 166 व आक्सीजन बेड 180 में 105 पर मरीज भर्ती हैं। नान आक्सीजन के 142 बेड में 02 पर ही मरीज हैं। कुल 329 भर्ती मरीजों में 247 पाजिटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 221 हैं। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार आज तक टोटल रिसीव्ड 6906, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5255, करंट स्टाक 94 है।

48 मरीजों को मेडिसिन किट वितरित

ई-दक्ष केंद्र से होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 64 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलों द्वारा होम आइसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। इसके तहत सूची अनुसार 48 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण किया गया। पांच मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाए गए। पांच मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाए गए। पांच मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। एक मरीज का कांटेक्ट नंबर व पता गलत पाया गया। इसके अलावा 82 मेडिसीन किट मरीज के स्वजनों को प्रदान की गई।

नगरीय क्षेत्र में 151 कंटेनमेंट जोन बनाए

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कलेक्टर व प्रशासक नगर निगम कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं, उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन बनाया जा रहा है। इसके तहत शहर में अब तक 151 कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं। निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि कंटेनमेंट जोन सहित शहर के अन्य क्षेत्रों में प्रतिदिन फायर लारी, ट्रैक्टर के माध्यम से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है।

राजस्व कालोनी में सैनिटाइजेशन की मांग

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर के मध्य स्थित राजस्व कालोनी में इस वर्ष कोरोना महामारी से सबसे

नियमित की कराने का अनुरोध किया है। नगर निगम प्रशासन को कई बार समिति द्वारा आग्रह करने के पश्चात भी

क्लिनिक पर भीड़ नहीं हो, डॉक्टर मरीजों को अप्वाइंटमेंट टाइम दे

रतलाम। शहर के अधिकांश अस्पतालों और क्लीनिक पर मरीजों की भीड़ को देखते हुए शनिवार को प्रशासन द्वारा डॉक्टरों के लिए नवीन गाईड लाइन जारी की गई है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए मरीजों को देखने के लिए अपॉइंटमेंट प्रणाली उपयोग करने के निर्देश दिये है। जानकारी के अनुसार कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने उपचार में लगे अस्पतालों के प्रबंधक डॉक्टरों को निर्देशित किया है कि वह मरीजों को देखने के लिए अपॉइंटमेंट टाइम दें ताकि मरीज अपने टाइम पर डॉक्टर को दिखाने के लिए आए और क्लीनिक पर भीड़ एकत्रित नहीं हो, संक्रमण नहीं फैले निर्देशों के उल्लंघन पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में 1075 पर कॉल करने पर एंबुलेंस की निशुल्क सुविधा मिल जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में वाहन में मरीज के होने पर कोई भी वाहन रोका नहीं जाएगा उसके लिए ई पास नहीं मांगा जाएगा।

18 प्लस टीकाकरण एप में तकनीकी खामी, टीकाकरण के लिए दिया अन्य स्थान का स्लॉट

रतलाम। 18 प्लस वाले व्यक्तियों के टीकाकरण के लिए बनाए गए मोबाइल एप की तकनीकी खामी के चलते टीकाकरण के लिए निवास के अलावा दूसरे शहर के टीकाकरण केन्द्र बुक हो रहे है। दूसरी तरफ जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निवास वाले नगर या गांव के अलावा किसी अन्य स्थान पर टीकाकरण नहीं किया जाएगा। उलेखनीय है कि कोविड टीकाकरण के लिए बनाए गए मोबाइल एप की किसी तकनीकी खामी के चलते ऐसे मामले सामने आए है, जिनमें रतलाम निवासी व्यक्ति को आलोट का टीकाकरण केन्द्र प्रदान कर दिया गया। जबकि जिला प्रशासन ने ऐसी स्लाट बुकींग पर टीकाकरण करने पर स्पष्ट रोक लगा दी है। जिला कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है कि 18 प्लस वाले आयु वर्ग का कोविड-टीकाकरण उनके निवास स्थान पर ही किया जाएगा यदि वे अन्य स्थान पर स्लॉट बुक कराते हैं तो उस स्थान पर उनको टीका नहीं लगाया जाएगा इसलिए आग्रह किया गया है कि अपने निवास स्थान पर ही अपने टीकाकरण के लिए स्लॉट बुक करवाएं अन्यथा उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा प्रशासन द्वारा सभी स्थानों के टीकाकरण केंद्रों पर जांच दल तैनात किए गए हैं।

पात्रता पर्ची के लिए 3868 नागरिकों ने जमा कराए आवेदन

रतलाम। शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 के संक्रमण के कारण

लाकडाउन अवधि में गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पात्रता पर्चीविहीन/छूटे हुए गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरण हेतु अस्थायी पर्ची बनाने के लिए नागरिकों ने निगम के जोन क्रमांक एक पर 807, जोन क्रमांक दो पर 886, जोन क्रमांक तीन पर 1062 व जोन क्रमांक चार पर 1113 इस तरह कुल 3868 आवेदन जमा कराए।

प्राप्त आवेदनों के पात्र परिवारों के सत्यापन की कार्यवाही राशन-मित्र पोर्टल पर प्रारंभ कर दी गई है। अस्थायी पात्रता पर्ची बनाने हेतु निगम के जोन कार्यालयों पर प्रात: आठ बजे से आवेदन व आवश्यक दस्तावेज लिए जा रहे हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव आज रतलाम में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव 23 मई को प्रातः 11.30 बजे महिदपुर से रतलाम जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 12 बजे आलोट एवं ताल की कोविड बैठक रेस्ट हाउस आलोट में लेंगे। दोपहर 1.30 बजे जावरा आगमन एवं रेस्ट हाउस जावरा में कोविड समीक्षा बैठक लेंगे। दोपहर 2 बजे रतलाम आगमन। दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कोरोना नियंत्रण की समीक्षा बैठक लेंगे। शाम 5 बजे मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित कोरोना नियंत्रण की कोर ग्रुप एवं जिला प्रभारी मंत्रियों की वीसी द्वारा आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। रात्रि 8 बजे रतलाम से उज्जैन के लिए प्रस्थान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एंबुलेंस के लिए 1075 पर कॉल करें

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में 1075 पर कॉल करने पर एंबुलेंस की निशुल्क सुविधा मिल जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में वाहन में मरीज के होने पर कोई भी वाहन रोका नहीं जाएगा। उसके लिए ई पास नहीं मांगा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जिलों के कोविड प्रभारी मंत्रियों-अधिकारियों को किया संबोधित, कहा-

31 मई तक मप्र हो कोरोना मुक्त

1 जून से अनलॉक की प्रक्रिया होगी

भोपाल ● 22 मई (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि 31 मई तक प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों, विकासखंडों और जिलों को कोरोना मुक्त करना है। कोरोना के विरुद्ध आरंभ हुए युद्ध में प्रत्येक स्तर पर जनभागीदारी और क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मई माह में कोरोना के प्रकरणों को शून्य कर एक जून से धीरे-धीरे अनलॉक करने की प्रक्रिया का क्रियान्वयन भी जनभागीदारी से किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान कोरोना नियंत्रण के संबंध में जिलों के कोविड प्रभारी मंत्री, प्रभारी अधिकारियों सहित सभी संभागीय आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टर्स तथा पुलिस अधीक्षकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

माइक्रो प्लानिंग कर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें- मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना बहरूपिया है, अतः इसे नियंत्रित देखकर निश्चिंत नहीं बैठा जा सकता है, परन्तु संक्रमण रोकने के लिए प्रदेश में अनंतकाल तक बंद भी नहीं रखा जा सकता है। एक जून से धीरे-धीरे अनलॉक प्रक्रिया आरंभ की जाना है। इसके लिए प्रभावी रणनीति का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश के कुछ जिलों में सिंगल डिजिट में केस आ रहे हैं, जबकि कई जिलों में प्रकरणों की संख्या अभी भी अधिक है। इस स्थिति में हमें एरिया स्पेसिफिक रणनीति बनाना होगी।

■ **तीसरी लहर के लिए तैयारियां आवश्यक**-मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर का सामना करने के लिए तैयारी जारी है। इसके दो ही तरीके हैं। प्रथम कोरोना से बचाव की सावधानियां जैसे मास्क पहनना, भीड़ नहीं लगाना, दो गज की दूरी आदि का इतनी कड़ाई से पालन किया जाए कि तीसरी लहर आए ही नहीं। इस रणनीति का क्रियान्वयन क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों, पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की सहभागिता और जनजागरण अभियान से किया जाए।

23-5-21

टेस्टिंग जारी रहे-जहां कोरोना का एक भी पॉजिटिव केस हो, वहां टेस्टिंग जारी रहे। टेस्टिंग के लिए सघन गतिविधियां संचालित की जाएं। कुछ जिलों में मोबाइल टेस्टिंग व्यवस्था की गई है। यह अच्छा प्रयोग है, जिसका अनुसरण आवश्कतानुसार अन्य जिले भी कर सकते हैं।

आज जिला कोविड प्रभारी व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव का दौरा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना से निपटने के इंतजाम देखने के लिए 23 मई को जिला कोविड प्रभारी और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव जिले का दौरा करेंगे।

डॉ. यादव सुबह 11.30 बजे महिदपुर से रवाना होकर दोपहर 12 बजे आलोट और ताल पहुंचकर रेस्ट हाउस में बैठक लेंगे। दोपहर 1.30 बजे जावरा रेस्ट हाउस में संक्रमण की समीक्षा करेंगे। दोपहर 2 बजे रतलाम आकर 3 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कोरोना नियंत्रण पर बात करेंगे। 5 बजे मुख्यमंत्री की कोरोना नियंत्रण कोर ग्रुप और जिला प्रभारी मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर 8 बजे उज्जैन के लिए रवाना होंगे।

मेडिकल कॉलेज में अब वेटिंग खत्म, पहली बार ऑक्सीजन और एचडीयू के 81 बेड हुए खाली

23-5-21

पॉजिटिव घटने व ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड सेंटर खुलने से यह स्थिति बनी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मेडिकल कॉलेज से अब सुखद खबर मिलने लगी है। कोरोना की दूसरी लहर में शनिवार को पहली बार कॉलेज के ऑक्सीजन और एचडीयू के 81 बेड खाली थे। दरअसल, ऐसा कोविड मरीजों के कम मिलने, और ग्रामीण में कोविड सेंटर खुलने के कारण हुआ। कॉलेज में सिर्फ 13 लोग ही भर्ती हुए... जबकि 41 लोग ठीक होकर अपने घर पहुंचे।

रतलाम मेडिकल कॉलेज 550 बेड का है... लेकिन कोरोना काल में ये बेड भी कम पड़ गए थे। लोगों को भर्ती होने के लिए कतारें लगाना पड़ीं तो बेड नहीं मिलने के कारण दो लोगों की मौत के मामले भी सामने आए। हालांकि अब राहत की सांस ले सकते हैं क्योंकि शनिवार को कॉलेज में पहली बार एचडीयू और ऑक्सीजन बेड शाम तक खाली थे। हालांकि आईसीयू में अभी भी जगह नहीं है।

स्थिति सुधर रही है : मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया धीरे-धीरे स्थिति सुधर रही है। शनिवार शाम तक कॉलेज में 221 बेड खाली थे। मरीजों को वेटिंग नहीं करना पड़ रही है। अभी हमारे पास 94 रेमडेसिविर इंजेक्शन बचे हैं।

ट्राएज एरिया का लोड कम, अब भर्ती होने के लिए नहीं करना पड़ रहा इंतजार

इधर, ट्राएज एरिया का लोड कम हो चुका है। मेडिकल कॉलेज के ट्राएज में 15 बेड हैं। यह वह क्षेत्र है, जब मरीज को वार्ड में भेजने से पहले यहां इलाज शुरू हो जाता है। हालांकि, 16 मई से ट्राएज का लोड कम हो गया था। कई बार ऐसे मौके भी आए, जब ट्राएज में कोई भी मरीज भर्ती नहीं रहा। इससे मरीजों के इंतजार करने की नौबत नहीं पड़ी। हालांकि कॉलेज में ऑक्सीजन बेड फुल ही थे।

एचडीयू में 166 मरीज भर्ती, ऑक्सीजन बेड पर 105, नॉन ऑक्सीजन पर केवल दो रोगी

कॉलेज के एचडीयू में शनिवार को 166 मरीज भर्ती थे, एचडीयू में 172 बेड हैं। वहीं ऑक्सीजन बेड पर 105 मरीज भर्ती हैं जबकि, कॉलेज में 180 ऑक्सीजन बेड हैं। ऐसे एचडीयू में 6 तो वहीं, ऑक्सीजन के 75 बेड कॉलेज में खाली हैं। वहीं कॉलेज में 142 नॉन ऑक्सीजन बेड हैं। अच्छी बात यह है कि नॉन ऑक्सीजन पर सिर्फ 2 मरीज भर्ती हैं। कॉलेज में कुल 329 मरीज भर्ती हैं।

Admin issues 409 e-passes against 7,500 requisitions

FP NEWS SERVICE
Ratlam

Amid stiff criticism of e-pass system which became effective on Saturday, the district administration claimed that it has issued 409 e-passes till 10 am against the 7,500 requisitions. The administration has cancelled 3,000 requisition on ground of inadequate documents.

Administration claimed that priority is being given to people facing medical urgency and their e-passes are being issued within an hour of the receipt of the application. SDM Ratlam city Abhishek Gehlot said that e-pass will not be mandatory for persons above 18 and they can go to vaccination centre by showing SMS. As per the orders, following people will not need e-passes:

1. Government servants
2. Bank employees
3. Factory workers who have previously issued passes
4. Health workers, staff of medical store and pathology lab will have to obtain offline passes from SDM office
5. Advocates for the period of Court working
6. Media persons

23-5-21

132 TEST POSITIVE, 2,531 UNDER TREATMENT IN DISTRICT

RATLAM: The district logged 132 new cases on Friday evening. As per the official bulletin 340 corona winners were discharged while 2,531 patients were under treatment on Friday. However, the administration is concerned as 592 sample reports were pending. The graph of new active patients is showing on decline in the district. From May 16 to May 21 a total of 960 new cases were added. The peak continued till May 15. The cases have been reduced to 50% compared to peak period.

48 मरीजों को किया मेडिसिन किट का वितरण

मरीज के परिजनों को 82 मेडिकल किट का वितरण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की। शनिवार को 48 मरीजों को मेडिसिन किट का वितरण किया गया जबकि 82 मेडिकल किट इस दौरान दी गई।

ई-दक्ष केन्द्र से शनिवार को होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 64 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई जिसे अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। जिसके तहत सूची अनुसार 48 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 5 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 5 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 5 मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया तथा 1 मरीज का कान्टेक्ट नम्बर व पता गलत पाया गया। इसके अलावा 82 मेडिसीन किट मरीज के परिजनों को प्रदान की गई।

23-5-21

प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन

रतलाम. कलेक्टर जिला दंडाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन किया है। संशोधन के अनुसार घर-घर जाकर दूध वितरण करने वाले दूध विक्रेता तथा दूध पार्लर से पैकेट आपूर्ति के लिए कोरोना कर्फ्यू अवधि में प्रातः 6 बजे से प्रातः 9 बजे तक एवं सायंकाल 5.30 बजे से सायं 8.30 बजे तक दूध वितरण करने की अनुमति रहेगी। शेष आदेश यथावत रहेगा।

पत्रिका गाइड

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना

60 दिन में पांच लाख की मदद देगी सरकार

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना में सरकार के सभी नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, आयोग कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, अन्य सरकारीउ कर्मी और सेवायुक्त को लाभ मिलेगा। इसमें कर्मचारी की कोरोना से मौत के 60 दिन में 5 लाख की आर्थिक मदद का प्रावधान है।

कौन होगा पात्र

सम्बंधित कर्मचारी कोरोना से मौत के समय सरकारी कार्य-नियोजन में कार्यरत होना चाहिए। कोरोना से मृत्यु का अधिकृत प्रमाण होना चाहिए। अंशकालीन कर्मचारी पात्र नहीं होगा। कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के पात्र-लाभ लेने वाले को इस योजना के लाभ की पात्रता नहीं होगी। एक ही परिवार में ज्यादा सदस्य की मौत होती है, तो प्रत्येक के लिए अलग-अलग प्रकरण हो सकेगा।

योजना की अवधि

योजना 1 मार्च 2021 से 30 जून 2021 तक के लिए है। यदि कोई इस अवधि में कोरोना पॉजिटिव था, लेकिन उसकी मौत इस अवधि के खत्म होने के बाद पॉजिटिव होने के 60 दिन के भीतर हो जाती है, तो भी लाभ की पात्रता होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 21 या योजना की अवधि की समाप्ति के 3 माह बाद तक। विशेष स्थिति सक्षम प्राधिकारी छह माह तक का विलंब माफ कर सकेंगे।

आवेदन इस तरह: जिलों में कार्यरत कर्मचारी की मृत्यु के समय उनके नियुक्ति स्थल के कार्यालय प्रमुख द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपने अभिमत सहित प्रकरण संबंधित जिले के कलेक्टर को भेजा जाएगा। कार्यालय प्रमुख की मौत के प्रकरण में संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रकरण मंजूर करेंगे। इसके लिए आवेदक परिजन को आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित आवेदन उस कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा, जहां संबंधित कर्मचारी मृत्यु के पहले कार्यरत था। संबंधित कार्यालय प्रमुख तीन दिन में प्रकरण को आगे सक्षम अधिकारी के पास भेजेगा।

कौन कर सकेगा आवेदन...

अनुग्रह राशि के लिए आवेदन की पात्रता के क्रम में पति-पत्नी (जैसी भी स्थिति हो) रहेंगे। इनके न रहने की स्थिति में विधिक संतानों (एक से अधिक होने पर बराबर राशि) और विधिक संतान न होने पर माता-पिता को आवेदन का अधिकार होगा।

23-5-21

नालों की सफाई का कार्य जारी, कीटनाशक दवा का छिड़काव

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। वर्षा ऋतु के पूर्व नगर के सभी नाले-नालियों की सफाई करवाने का कार्य किया जा रहा है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नालों की सफाई उपरांत कीटनाशक दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है। निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा पेपर मिल के पास गुलमोहर कालोनी, तेजा नगर ब्लाक नंबर एक, गोशाला रोड नागेश्वर व्यायामशाला के पास, इंद्रलोक नगर मार्निंग स्टार स्कूल के पीछे, गोमदड़े की पुल, ओझा खाली व राजेंद्र नगर नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के निर्देशन में किया गया। सफाई के बाद नालों व नालियों में केरोसिन व ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

नईदुनिया 23-5

पुरुषोत्तम और पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने आम जनता से 10 दिनों तक सख्त लॉकडाउन का पालन करने और घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की थी। इसके लिए ई पास व्यवस्था भी रतलाम जिले में लागू की गई है। जिसके अंतर्गत आवश्यक कार्य होने पर लोग ई पास बनवाकर ही घरों से बाहर निकल पाएंगे। ई-पास व्यवस्था लागू होने के पहले सड़कों पर नजर आ रहे थे और केवल ई पास धारक ही बाहर निकल रहे हैं। ई-पास व्यवस्था के चलते बेवजह आने-जाने वालों पर लगाम जरूर लगी हैं। चौराहों पर पुलिस की तैनाती और सख्ती का असर यह रहा कि शनिवार को सुबह से ही सड़कों पर इका-दुका वाहन चलते हुए नजर आए और सड़के खाली हो गई।

कलेक्टर जिला दंडाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने प्रतिबंधात्मक आदेश में आंशिक संशोधन किया है। संशोधन के अनुसार घर-घर जाकर दूध वितरण करने वाले दूध विक्रेता तथा दूध पार्लर से पैकेट आपूर्ति हेतु कोरोना कर्फ्यू अवधि में प्रात: 6 बजे से प्रात: 9 बजे तक एवं सायंकाल 5.30 बजे से सायं 8.30 बजे तक दूध वितरण करने की अनुमति रहेगी।

नवभारत 23-5-21

18 प्लस वालों का टीकाकरण उनके निवास क्षेत्र में ही होगा

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है कि 18 प्लस वाले आयु वर्ग का कोविड-टीकाकरण उनके निवास क्षेत्र में ही किया जाएगा। यदि वे अन्य स्थान पर स्लॉट बुक कराते हैं तो उस स्थान पर उनको टीका नहीं लगाया जाएगा। यहां निवास क्षेत्र से आशय, जिस नगर, कस्बा या गांव में निवास कर रहे हैं, उसी नगर, कस्बे, गांव में टीकाकरण के लिए बुकिंग करवाएं। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि अपने निवास क्षेत्र में ही अपने टीकाकरण के लिए स्लॉट बुक करवाएं अन्यथा उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा। इसके लिए प्रशासन द्वारा सभी स्थानों के टीकाकरण केंद्रों पर जांच दल तैनात किए गए हैं, जो आने वाले व्यक्ति की जांच पड़ताल कर रहे हैं।

निर्देश : क्लिनिक पर भीड़ नहीं हो, डॉक्टर मरीजों को अप्वाइंटमेंट टाइम दे

रतलाम। कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने उपचार में लगे अस्पतालों के प्रबंधक डॉक्टर्स को निर्देशित किया है कि वे मरीजों को देखने के लिए अप्वाईंटमेंट टाइम देवें ताकि मरीज अपने टाइम पर डॉक्टर को दिखाने के लिए आए और क्लीनिक पर भीड़ एकत्रित नहीं हो, संक्रमण नहीं फैले। निर्देशों के उल्लंघन पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मजदूर कांग्रेस की कार्यक्रम में सोलंकी सदस्य मनोनित

रतलाम। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीवा रेड्डी, प्रदेशाध्यक्ष आरडी त्रिपाठी ने श्रमिक नेता सत्यनारायण सोलंकी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया। मनोनयन पर कांग्रेस के नेता खुर्शीद अनवर, शांतिलाल मालवीय, यास्मीन शेरानी, शांतिलाल वर्मा, राजीव रावत, भंवरसिंह चौहान, राजेश सक्सेना, ईश्वर बाबा, भंवर पहलवान, नरवर सिंह राणावत, ओम चौहान, मनोज पाण्डेय, किरण चौहान हर्ष व्यक्त किया है।

प्रशासन से कॉलोनी को सैनिटाइज करने की मांग

रतलाम। शहर के बीचो बीच स्थित राजस्व कॉलोनी में इस वर्ष कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा जनहानि हुई है साथ ही वर्तमान समय तक नियमित एक न एक मरीज कॉलोनी से ग्रस्त हो रहा है। राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष नरेन्द्रसिंह राठौड़ ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि महामारी के प्रभाव से ग्रस्त कॉलोनी का संपूर्ण सैनिटाइजर किया जाए एवं नालियों की साफ सफाई नियमित की जावे। जिससे रहवासियों को शकून और राहत मिल सके महामारी से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पूर्व में भी नगर निगम प्रशासन को कई बार समिति द्वारा आग्रह करने के पश्चात भी आज तक कोई सुध लेने वाला नहीं है। सर्वश्री बीएस परिहार, बी.एस.सैन, अशोक पंड्या, शांतिलाल शर्मा, विनोद दुबे, अंशुल जोशी, बबलू परमार, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, सुनील जैन, दीपक जोशी, मनीष जैन, गगन पाठक आदि ने समर्थन करते हुए जनहित मे पूरी कालोनी में शीघ्र साफ-सफाई व सेनीटाइजर करने की मांग की है।

प्रशासन ने साढ़े सात हजार आवेदकों में से केवल 409 को जारी किए ई-पास

ई-पास सिस्टम लागू होने से आज शहर में पूरी तरह सन्नाटा नजर आया

रतलाम ● स्वदेश समाचार

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने शहर में कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए तथा बेवजह शहर में घूम रहे लोगों पर अंकुश लगाने की दृष्टि से ई-पास सिस्टम प्रभावशील किया है, यह आज से लागू भी हो गया है। शनिवार प्रातः 10 बजे तक 409 ई-पास जारी किए गए, जबकि ई-पास के लिए 7 हजार 500 लोगों ने आवेदन किए। ई-पास सिस्टम लागू होने से आज शहर में पूरी तरह सन्नाटा नजर आया। सड़कें पूरी तरह सूनसान थी।

मिली जानकारी के अनुसार जो 409 ई-पास जारी हुए है वह भी मेडिकल ग्राउंड वाले लोगों को जारी किए गए है। 3000 आवेदन ठोस कारण, अपूर्ण जानकारी, दस्तावेज नहीं होने पर निरस्त किए गए हैं। शेष आवेदनों का परीक्षण कर पास जारी करने की कार्रवाई की जा रही है।

आवेदन अधूरे न भरें दस्तावेज अवश्य संलग्न करें

उन्होंने बताया कि अनावश्यक कारणों से ई-पास के लिए अभी भी लोग आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों से आग्रह किया है कि वह ई-पास के लिए आवेदन न करें। साथ ही आवेदन पूरी तरह भरे एवं उसमें संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज अवश्य संलग्न करें। पूर्ण जानकारी एवं दस्तावेज न होने के कारण आवेदनों का निराकरण संभव नहीं होगा। इसलिए आवेदक सुनिश्चित कर लें कि आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं।

ये आवेदन नहीं करें-कोरोना कर्फ्यू पास के संबंध में जिला प्रशासन ने पुनः स्पष्ट किया है कि निम्नलिखित सेवाओं वालों को कर्फ्यू पास नहीं बनवाने हैं, बल्कि उनके पास उपलब्ध पास मान्य रहेंगे। शासकीय सेवक (राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगर पालिका, पंचायत, रेलवे आदि) विभाग के कर्मचारियों को विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा। बैंककर्मी को बैंक द्वारा जारी पहचान पत्र बैंक कार्य अवधि में मान्य रहेगा। मीडिया कर्मियों को मीडियाकर्मी का पहचान पत्र मान्य रहेगा। फैक्ट्री वर्कर को एसडीएम कार्यालय रतलाम शहर से पूर्व में जारी पास मान्य रहेंगे। प्राइवेट अस्पताल क्लीनिक, मेडिकल स्टोर, दवाइयों के थोक विक्रेता, पैथोलॉजी लैब वाले को एसडीएम कार्यालय रतलाम शहर से ऑफलाइन पास प्राप्त करें। अभिभाषकों को कोर्ट की निर्धारित समयावधि में बार काउंसिल द्वारा जारी पहचान पत्र मान्य रहेगा।

डॉक्टर मरीजों को अप्वाइंटमेंट टाइम दे, क्लीनिक पर भीड़ न करें-कलेक्टर ने उपचार में लगे अस्पतालों के प्रबंधक डॉक्टर्स को निर्देशित किया है कि वह मरीजों को देखने के लिए अप्वाइंटमेंट टाइम देवें ताकि मरीज अपने टाइम पर डॉक्टर को दिखाने के लिए आए और क्लीनिक पर भीड़ एकत्रित नहीं हो, संक्रमण नहीं फैले। निर्देशों के उल्लंघन पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल ग्राउंड वालों का त्वरित निराकरण

23-5-21

कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है रतलाम शहर में लागू ई-पास व्यवस्था में मेडिकल ग्राउंड वाले आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। अनावश्यक कार्य के लिए एवं अधूरे तथा बिना दस्तावेज संलग्न आवेदन करने वाले [illegible]कों से उन्होंने कहा है कि ऐसा नहीं करें। ई-पास हेतु आवेदन करते समय पूर्ण जानकारी भरें तथा आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न क[illegible]। इसके साथ ही जितनी अवधि के लिए ई-पास की आवश्यकता है उसका भी उल्लेख करें। अनावश्यक अधिक अवधि के लिए आवेदन न करें। शुक्रवार दोपहर 3 बजे से नियुक्त कर्मचारियों द्वारा ई-पास के लिए आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जाना प्रारंभ कर दिया गया था। एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल ग्राउंड (अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर, परिजन हेतु, चिकित्सकीय परामर्श हेतु, कोविड जांच, सीटी स्कैन, ब्लड जांच, एक्स-रे, सोनोग्राफी आदि की जांच हेतु, मेडिकल स्टोर से दवाई कराने) हेतु ई-पास प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसे ई-पास [illegible] घंटे की अवधि में जारी किए जा रहे हैं।

ई-पास बनाने की विसंगतियों को गंभीरता से लिया जाएं

जनशक्ति संयोजक राधावल्लभ खण्डेलवाल ने जिलाधीश रतलाम से विशेष अनुरोध किया है कि कोई भी नियम लागू करने के पहले उसके हर पहलु पर गौर किया जाए, लागू करने के बाद परिणाम की समीक्षा एवं आवश्यक संशोधन भी तुरन्त किए जाए। उदाहरण के लिए ई- पास किस प्रकार बनेगा, किनको ई-पास की आवश्यकता नहीं है, साधारण नागरिक इस प्रकिया को समझकर पास बनवा सकेगा यदि नहीं तो उनके लिए विकल्प ऐसी अनेक बात है जो प्रारम्भ में स्पष्ट होना चाहिए। 20 तारीख को घोषणा हुई कि ई-पास के बिना घर से बाहर नहीं निकल सकते, 21 को पास बनाने की विधि बताई गई, 22 को बताया गया किसको पास की अनिवार्यता नहीं है। श्री खण्डेलवाल ने बताया कि 20 तारीख से ही पूरा जिला ई-पास के चक्रव्यूह में फंस गया। जानकारी के अभाव में 5000 से ज्यादा लोगों ने आवेदन लगा दिया जिनमें लगभग 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को ई-पास की अनिवार्यता ही नहीं थी, नागरिक एवं संबंधित विभाग के कर्मचारी सभी व्यर्थ परेशान, शुरु दिन 5000 में से 147 ई-पास बने।

श्री खण्डेलवाल ने कहा कि साधारण नागरिक इस प्रकिया से पास बनवाने में असमर्थ है, अनुभवी को 4 घंटे में मिलने वाला पास 24 घंटे बाद भी नहीं मिल पा रहा है। अतः ई-पास की अनिवार्यता पर पुनःविचार किया जाए।

सख्ती जारी रहेगी • पॉजिटिविटी रेट में आ रही है तेजी से गिरावट, इससे मिले संकेत

1 जून से हमारा जिला अनलॉक होने लगेगा

धीरे-धीरे बढ़ेगा छूट का दायरा, अब पॉजिटिविटी रेट 7%

23-5-21

उसके पहले लॉकडाउन के नियमों का सख्ती से करना होगा पालन

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शनिवार से लागू हुई सख्ती के साथ एक अच्छी खबर भी आई है। जिले का पॉजिटिविटी रेट दूसरी लहर के सबसे निचले स्तर 7.21 प्रतिशत पर पहुंच गया है। लोगों ने लॉकडाउन के नियमों का पालन किया और संक्रमण दर में गिरावट जारी रही तो पहली जून से जिला अनलॉक होने लगेगा। एकदम से तो छूट नहीं मिलेगी लेकिन चरणबद्ध धीरे-धीरे ढील का दायरा बढ़ाया जाएगा। 31 मई तक पॉजिटिविटी रेट शून्य पर लाने का टारगेट लेकर चल रहे सरकारी अमले ने शनिवार से कोरोना कर्फ्यू को सख्त बनाते हुए ई-पास सहित कई नई व्यवस्था शुरू कर दी है। गाइडलाइन और नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई चल रही है।

दूध वितरण का समय बदला: दूध बांटने की समय सीमा में बदलाव किया है। रविवार से दूध सुबह 6 से 9 और शाम को 5.30 से 8.30 बजे तक बंटेगा। शनिवार को कलेक्टर ने आदेश में संशोधन कर समय में बदलाव किया है। शाम को 4 से 7 बजे दूध बंट रहा था।

इस तरह गिर रहा जिले का पॉजिटिविटी रेट

मई	संक्रमण दर	सैंपल	पॉजिटिव
10	26.82%	1305	350
11	21.97%	1525	335
12	24.72%	1234	305
13	19.38%	1538	298
14	14.89%	1813	270
15	14.77%	1652	244
16	12.14%	1565	190
17	10.86%	1565	170
18	9.98%	1604	160
19	10.36%	1565	162
20	8.86%	1648	146
21	8.01%	1648	132
22	7.21%	1525	110

कई रास्ते आधे ब्लॉक किए, दिनभर चली चेकिंग

शनिवार को ई-पास व्यवस्था के साथ ही लॉकडाउन को सख्त बनाते हुए नगर निगम, लोकेंद्र टॉकिज रोड, दो बत्ती, चांदनीचौक, हाट रोड, माणकचौक, हरमाला रोड, सैलाना और बाजना रोड पर कई जगह बैरिकेडिंग कर आधे रोड ब्लॉक कर दिए। इससे आवाजाही में काफी फर्क पड़ा। वहीं दूसरी तरफ की रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी, जिसमें बेवजह निकले लोगों को वापस लौटा दिया। कस्तूरबा नगर तिराहा, दो बत्ती, सैलाना बस स्टैंड पर कई बार विवाद की स्थिति भी बनी लेकिन पुलिस ने दस्तावेज चेक करके ही जाने दिया।

अब तक 500 से ज्यादा ई-पास जारी

ई-पास को लेकर नागरिक ही नहीं अफसर भी भागादौड़ी कर रहे हैं। शनिवार शाम तक प्रशासन के पास 8500 से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन पहुंच गए थे। इनमें से 500 से ज्यादा को ही ई-पास जारी हो पाए। बिना ठोस कारण और अधूरी जानकारी वाले लगभग 3400 आवेदन को निरस्त कर दिया गया। इतना ही नहीं स्पष्ट मनाही के बावजूद अब तक सरकारी कर्मचारी आवेदन किए जा रहे हैं। एसडीएम अभिषेक गेहलोत ने बताया मेडिकल ग्राउंड (अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर व परिजन, चिकित्सकीय परामर्श, कोविड जांच, सिटी स्कैन, ब्लड जांच, एक्सरे, सोनोग्राफी जांच, मेडिकल स्टोर से दवाई करने) के लिए ई-पास सिर्फ एक घंटे में जारी किए जा रहे हैं।

आवेदन में ये बातें ध्यान रखें

- अनावश्यक कार्य के लिए और अधूरे तथा बिना दस्तावेज संलग्न आवेदन न करें।
- आवेदन करते समय पूरी जानकारी भरें।
- कितने दिन के लिए ई-पास चाहिए, उसका भी उल्लेख करें।
- राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगरपालिका, पंचायत, रेलवे, बैंक विभाग के कर्मचारियों आवेदन न करें।
- फैक्ट्री वर्कर को एसडीएम कार्यालय से जारी पास मान्य रहेंगे।

ई-पास व्यवस्था का शनिवार को अच्छा असर देखने को मिला। हमारे उद्देश्य है कि 31 मई तक कोरोना इतना काबू आ जाए कि हमारे यहां भी लॉकडाउन खुलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो सके। एक तारीख से व्यापार, उद्योग सुचारू रूप से चल सकें। आम आदमी को सहूलियत हो जाए।

कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर-जिला रतलाम

आज सुबह 8 से 8.30 बजे खुलेंगे स्लॉट, आप जहां के निवासी अब वहीं पर टीका

भास्कर संवाददाता | रतलाम

आसपास के ब्लॉक या गांव में ना करें बुकिंग

यदि आप ऐसा सोच रहे हैं कि आसपास के ब्लॉक या गांवों में स्लॉट बुक करवा लें... इससे आसानी से वैक्सीन लग जाएगी, लॉकडाउन में घूमना-फिरना भी हो जाएगा। तो आपका यह विचार उल्टा पड़ सकता है, ऐसा इसलिए क्योंकि, शनिवार को प्रशासन ने आदेश दे दिया है कि जो जहां का रहने वाला है, वहीं वैक्सीन लगेगी। प्रशासन ने सभी टीकाकरण केंद्रों पर जांच दल तैनात कर जांच पड़ताल की।

24 मई के लिए 10 बजे होगी बुकिंग

18 से 44 साल की उम्र के जो लोग 23 मई को ही टीका लगवाने चाहते हैं, उनके लिए स्लॉट सुबह 8 से 8.30 बजे खुलेगा। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर ननावरे ने बताया 24 मई को होने वाले टीकाकरण में स्लॉट बुकिंग के लिए 23 मई को सुबह 10 बजे से 10.30 के बीच साइट खोली जाएगी।

आज यहां लगेगी वैक्सीन

- शासकीय कॉलेज, पुलिस स्टेशन के पास, आलोट
- महात्मा गांधी स्कूल, जेल रोड, जावरा
- लायंस हॉल, जावरा
- शासकीय बालक हायर सेकंडरी स्कूल, मंडी के सामने, सैलाना
- एनआरएलएम, जनपद पंचायत भवन, पिपलौदा
- हायर सेकंडरी स्कूल, नामली
- सूरज हॉल, वेद व्यास कॉलोनी
- गुरुनानक सिंधु भवन, संत कंवराराम नगर, सिरियाखेड़ी रोड
- कम्युनिटी हॉल, जवाहर नगर
- लायंस हॉल
- मोहन टॉकीज, घास बाजार
- आईएमए हॉल, राजेंद्र नगर
- रेलवे डिस्पेंसरी, घटला कॉलोनी

मई के 21 दिनों में 3572 स्वस्थ, 3117 नए

राहत : व्यवस्थाओं में बदलाव व सख्ती से बेकाबू कोरोना पर पा

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण की दूसरी खतरनाक लहर में लगातार व्यवस्थाओं में बदलाव और सख्ती का असर नजर आने लगा है। अप्रैल और मई के शुरुआत पखवाड़े के बाद से लगातार नए संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही है और स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सरकारी और निजी अस्पतालों में भी बेड की मारामारी खत्म हो गई है। गंभीर मरीजों को आसानी से बेड मिलना प्रारंभ हो गए हैं। कोरोना के उपचार में उपयोग आने वाली कई प्रकार की जरूरी दवाइयों-इंजेक्शनों की किल्लत भी करीब-करीब खत्म हो गई है। इससे शासन-प्रशासन के साथ जिलेवासी राहत महसूस कर रहे हैं।

जिले में अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में जहां प्रतिदिन 200 से अधिक नए संक्रमित सामने आ रहे हैं, वहीं मई के पहले पखवाड़े में इनकी संख्या बढ़कर 300 के पार और 400 के करीब आ गई थी। इससे स्वास्थ्य महकमे के साथ शासन-प्रशासन की सांसें फूलने लगी थी। मई के दूसरे पखवाड़े से स्थिति धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। मरीजों को आसानी से उपचार सुविधा और दवाइयां उपलब्ध हो रही है। उधर, कोरोना की रोकथाम के लिए शासन-प्रशासन द्वारा लगातार व्यवस्थाओं में बदलाव कर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

शुरुआती पखवाड़े में मई का महीने भी बहुत घातक सिद्ध हो रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है। मई के 21 दिनों में जहां 3117 नए संक्रमित केस सामने आए हैं, वहीं 3572 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे हैं। मौत का आंकड़ा 57 है। जिला महामारी नियंत्रक डा. गौरव बोरीवाल का कहना है कि कोरोना की रोकथाम के लिए सख्ती के साथ नियमों का कड़ाई से पालन करना जरूरी है। कुछ लोगों की लापरवाही का खामियाजा कई लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हालांकि बीते कुछ दिनों से नए संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। फिर भी सभी को स्थिति पूरी तरह काबू में नहीं आने तक कोविड-19 नियमों का पालन करना जरूरी है। जरा-सी लापरवाही मानव जाति को बड़े संकट में डाल सकती है।

कोरोना कर्फ्यू के चलते रतलाम के चांदनीचौक क्षेत्र में पसरा सन्नाटा। ● नईदुनिया

22वें दिन 395 मरीज स्वस्थ

मई माह के 22वें दिन शनिवार को 110 नए पाजिटिव केस सामने आए। पांच की मौत हुई। 395 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 2241 है। जिले में अब तक 16914 पाजिटिव केस सामने आ चुके हैं, वहीं 14382 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 291 पर पहुंच गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री आज कोरोना की समीक्षा करेंगे

रतलाम। उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव 23 मई को दोपहर 12 बजे आलोट एवं ताल की कोविड बैठक रेस्ट हाउस आलोट में लेंगे। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे जावरा रेस्ट हाउस जावरा में बैठक लेकर 2 बजे रतलाम आएंगे। 3 बजे कलेक्टोरेट में कोरोना नियंत्रण की समीक्षा के बाद 5 बजे सीएम द्वारा आयोजित कोरोना नियंत्रण की कोर ग्रुप व जिला प्रभारी मंत्रियों की वीसी में शामिल होंगे। रात 8 बजे उज्जैन प्रस्थान करेंगे।

मई माह में कोरोना क

तारीख	मरीज मिले	स्वस्थ हुए
01 मई	325	306
02 मई	345	293
03 मई	355	329
04 मई	308	228
05 मई	385	316
06 मई	380	050
07 मई	379	020
08 मई	398	055
09 मई	360	039
10 मई	350	078

सोच को सकारात्मक रखकर बीमारी से लड़ना होग

अल्केश राठौर

कोरोना महामारी हमारे अपने लोगों को हमसे छीन रही है। ऐसे में हमें घबराना नहीं है। अपनी सोच को सकारात्मक रखकर बीमारी से लड़ना होगा। योग प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सुरक्षित रहकर अपने परिवार को बचाना होगा। कोविड-19 नियमों का कड़ाई से पालन करें।

– अल्केश राठौर, किराना व्यवसायी, सुतारीपुरा कार्नर जावरा

भूमिका पाटीदार

हवा में संक्रमण फैल रहा है, इसलिए अब खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। मास्क ही हमारी सुरक्षा कर सकता है, इसलिए मास्क का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही कोरोना गाइड-लाइन का पालन भी करना होगा। मास्क के साथ दो गज की दूरी भी जरूरी है।

–भूमिका पाटीदार, शेरपुर

लक्षिता खेमसरा

मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव से दूर रहें। खुद के लिए समय निकालें। कोरोनाकाल में उन लोगों से बात करें, जिन पर आप भरोसा करते हैं। नियमित रूप से व्यायाम व योग प्राणायाम करें। कोविड 19 के नियमों का पालन करें। घर पर रहें स्वस्थ व सुरक्षित रहें।

– लक्षिता खेमसरा, दाबावाड़ी के सामने, खाचरौद रोड जावरा

अभय छजलानी

कोरोना महामारी में कई लोगों ने प्रियजनों को खो दिया है। रैपिड एंटीजन व आरटीपीसीआर टेस्ट बढ़ाने की जरूरत है। अब संक्रमण दर धीरे-धीरे कम हो रही है। लोगों से भी अपील है कि मेडिकल इमरजेंसी के अलावा घरों से बाहर नहीं निकलें। मास्क लगाकर रखें। कोरोना से दूरी वैक्सीन है जरूरी।

- अभय छजलानी, व्यापारी, सोमवारिया जावरा

श्रेया मेहता

18 प्लस वाले युवाओं के वैक्सीनेशन के लिए स्लाट बुक करने की प्रक्रिया को सरल किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में 18 प्लस के युवाओं का वैक्सीनेशन का रजिस्ट्रेशन आफलाइन होना चाहिए। कोरोना से बचाव में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए फल, पौष्टिक भोजन व ज्यूस का अधिक सेवन करें।

– श्रेया मेहता, गृहिणी, पीपली बाजार जावरा

अजीत चत्तर

लाकडाउन समाप्त हो या न हो अगले छह से बारह माह तक आपको मास्क, सैनिटाइजर, शारीरिक दूरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। नियमों का पालन करने से ही हम कोरोना महामारी को हरा पाएंगे। संक्रमण दर गिरने के साथ ही अस्पतालों में बेड की कमी खत्म होना राहत भरी खबर है।

प्रदेश को कोरोना मुक्त करने मुख्यमंत्री के कलेक्टरों को सख्त निर्देश

10 दिन और कड़ाई से करें जनता कर्फ्यू का पालन : शिवराज

- भोपाल संभाग और इंदौर में 31 मई तक सख्ती
- सरकार का अब ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान
- आगे भी जारी रहेगा 'योग से निरोग' कार्यक्रम

स्वदेश ब्यूरो, भोपाल

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नए मामले तेजी से कम हो रहे हैं। प्रदेश में इसकी पॉजीटिविटी दर भी 5% प्रतिशत हो गई है, लेकिन राज्य सरकार प्रदेश को पूरी तरह इस महामारी से मुक्त करने के लिए प्रयासरत है। इसके चलते जनता कर्फ्यू में जून से पहले ढील के कोई आसार नहीं है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जिला कलेक्टरों से कहा कि अभी दस दिन और जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन करें। श्री चौहान शुक्रवार को संभागीय समीक्षा के क्रम में भोपाल संभाग के कोरोना मामलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि अभी भोपाल संभाग के जिले भोपाल, विदिशा, राजगढ़, सीहोर व रायसेन में 31 मई तक कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने जिलों के प्रभारी मंत्रियों से कहा कि उन्हें अपने-अपने जिलों को कोरोना मुक्त करने की जिम्मेदारी लेना होगी। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। इधर,इंदौर में भी जनता कर्फ्यू को लेकर आवाजाही पर सख्ती से रोक लगाई गई है। पूर्व में किराना,दूध व अन्य जरूरी वस्तुओं की दुकानों को खोलने में दी गई छूट वापस ले ली गई।

तीसरी लहर से बचाव में भी सहायक होगा 'योग से निरोग' कार्यक्रम

संभागीय समीक्षा से पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 'योग से निरोग' कार्यक्रम अंतर्गत घर पर इलाज करा रहे कोरोना संक्रमित व पोस्ट कोविड मरीजों से बातचीत की। इस संवाद कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर महाराज एवं योगगुरू स्वामी रामदेव भी वर्चअल शामिल हुए एवं लोगों को मार्गदर्शन किया।श्री चौहान ने योगाभ्यास के अपने व्यक्तिगत अनुभव बताते हुए कहा कि यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही व्यक्ति को ऊर्जावान भी रखता है। हर तरह से यह फायदेमंद है। 'योग से निरोग' कार्यक्रम से काफी लोग लाभान्वित हुए हैं। यह कोरोना से तीसरी लहर के बचाव में भी कारगर साबित होगा। इसे ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को निरंतरता प्रदान की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों पर दें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों पर भी फोकस करने के लिए कहा। श्री चौहान ने कहा कि किसी गांव में कोरोना संक्रमित मरीज हैं तो वहां आने-जाने पर प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। संक्रमित मरीजों झोलाछाप चिकित्सक के फेर में न पड़ें, इस बात का भी ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि और अफसर संकल्प लें कि टेस्टिंग बढ़ाना है। कोई पॉजिटिव मरीज बिना इलाज न रहे। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे कड़ा मन करें और शादी-विवाह जैसे आयोजन दस दिनों के लिए और टालें। श्री चौहान ने कहा कि प्रयास यही हों कि ऑक्सीजन आपूर्ति मामले में जिला आत्मनिर्भर बने। राज्य सरकार ने नए ऑक्सीजन संयंत्र लगाने के लिए 50 प्रतिशत अनुदान की सुविधा भी दे रखी है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में योग सहायकः रामदेव

योग गुरु श्री रामदेव ने कहा कि कोरोना वैश्विक आपदा है। ऐलोपैथिक दवाओं के अधिक उपयोग ने रोग प्रतिरोधक क्षमता को घटाया है। इसके परिणाम स्वरूप ब्लैक फंगस और वाइट फंगस जैसे जटिल रोग सामने आ रहे हैं। कोरोना की दवा यही है कि आप कितने सशक्त हैं आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कितनी है। इन दोनों में योग बहुत अधिक सहायक है।

आत्मबल बनाए रखना जरूरीः श्री श्री रविशंकर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर महाराज ने कहा कि महामारी के इस दौर में आत्मबल बनाए रखना जरूरी है। मजबूत मन कमजोर शरीर को आगे ले जा सकता है इसके लिए योग और प्राणायाम से प्रभावी कोई रास्ता नहीं है। श्री श्री रविशंकर ने पूर्वाग्रह और अंधविश्वास से मुक्त रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ परंपरागत ज्ञान-विज्ञान को अपनाने की आवश्यकता बताई।

एक जून से अनलॉक करने की प्रक्रिया शुरू करें सभी डीएम

जनता के सहयोग से होगा कोरोना नियंत्रण का प्रबंधन : सीएम

भोपाल 22 मई. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 31 मई तक प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों, विकासखंडों और जिलों को कोरोना मुक्त करना है. कोरोना के विरुद्ध आरंभ हुए युद्ध में प्रत्येक स्तर

31 मई तक प्रदेश हो कोरोना मुक्त

पर जनभागीदारी और क्राइसेस मैनेजमेंट समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

मई माह में कोरोना के प्रकरणों को शून्य कर एक जून से धीरे-धीरे अनलॉक करने की प्रक्रिया का क्रियान्वयन भी जनभागीदारी से किया जाएगा. मुख्यमंत्री श्री चौहान कोरोना नियंत्रण के संबंध में जिलों के कोविड प्रभारी मंत्री, प्रभारी अधिकारियों सहित सभी संभागीय आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टर्स तथा पुलिस अधीक्षकों को संबोधित कर रहे थे. निवास से वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा दिए गए अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रण की स्थिति में है. पॉजिटिविटी रेट 4.82 प्रतिशत है. प्रदेश में 79 हजार 737 टेस्ट किए गए जिसमें सिर्फ 3 हजार 844 पॉजीटिव आए हैं और 9 हजार 327 व्यक्ति स्वस्थ हुए हैं. प्रदेश का रिकवरी रेट 90.86 प्रतिशत हो गया है.

तीसरी लहर के लिए तैयारियां जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर का सामना करने के लिए तैयारी जारी है। इसके दो ही तरीके हैं। प्रथम कोरोना से बचाव की सावधानियों जैसे मॉस्क पहनना, भीड़ नहीं लगाना, दो गज की दूरी आदि का इतनी कड़ाई से पालन किया जाए की तीसरी लहर आए ही नहीं। इस रणनीति का क्रियान्वयन जनजागरण अभियान से किया जाए।

माइक्रो प्लानिंग कर मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें

चौहान ने कहा कि कोरोना बहुरूपिया है, अतः इसे नियंत्रित देखकर निश्चिंत नहीं बैठा जा सकता है। परन्तु संक्रमण रोकने के लिए प्रदेश में अनंतकाल तक बंद भी नहीं रखा जा सकता है। एक जून से धीरे-धीरे अनलॉक प्रक्रिया आरंभ की जाना है। इसके लिए प्रभावी रणनीति का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश के कुछ जिलों में सिंगल डिजिट में केस आ रहे हैं जबकि कई जिलों में प्रकरणों की संख्या अभी भी अधिक है। इस स्थिति में हमें एरिया स्पेसिफिक रणनीति बनाना होगी। अपने जिलों के अधिक संक्रमण वाले वार्डों तथा गांव को हॉट स्पॉट के रूप में चिन्हित करना होगा। इन क्षेत्रों को माइक्रो कन्टेन्टमेंट एरिया बनाकर सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए।

डॉक्टर से लेना होगा अपॉइंटमेंट..., भीड़ मिली तो कार्रवाई

रतलाम | जिले में अब मरीजों को डॉक्टरों से मिलने के लिए अपाइंटमेंट लेना होगा। ऐसा क्लिनिक और अस्पतालों में लगातार हो रही भीड़ के चलते लिया गया है ताकि कोई संक्रमित ना हो। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने शनिवार को अस्पतालों के प्रबंधक डॉक्टर्स को कहा है कि वे मरीजों को देखने के लिए अपॉइंटमेंट टाइम दें ताकि मरीज अपने टाइम पर डॉक्टर को दिखाने के लिए आएं और क्लीनिक पर भीड़ एकत्रित नहीं हो। यदि निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है तो विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

48 तक पहुंची मेडिसिन किट

रतलाम | होम आइसोलेशन के 48 मरीजों तक शनिवार को नगर निगम की टीम ने मेडिसिन किट पहुंचाई। ई-दक्ष केंद्र से मिली सूची के अनुसार निगम ने जिला अस्पताल से 64 मेडिसिन किट ली थी। 48 मरीज घर पर मिले, जबकि 5 अस्पताल में उपचार करवा रहे थे। 5 नगरीय क्षेत्र से बाहर के मिले, एक का पता व मोबाइल नंबर गलत लिखा हुआ था। 5 मरीजों को पहले से किट मिल चुकी थी।

मेडिकल कॉलेज से शनिवार को 41 व्यक्ति डिस्चार्ज हुए

रतलाम। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रतलाम से स्वस्थ होकर शनिवार को 41 व्यक्ति अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने कोविड के नियमों का पालन करने तथा अपने परिजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डिस्चार्ज हुए लोगों ने मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए यहां के स्टाफ को धन्यवाद दिया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज में 13 नए मरीज भर्ती हुए। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आईसीयू बेड 56 सभी फुल है, एचडीयू में 172 बेड में 166 पर पेशेंट है। ऑक्सीजन बेड 180 में 105 पर पेशेंट है। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 में से 02 पर पेशेंट भर्ती है। कुल 329 पेशेंट हॉस्पिटल में भर्ती है इनमें 247 पॉजीटिव है तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले है। हॉस्पिटल में रिक्त बेड 221 है। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार आज तक टोटल रिसीव्ड 6906, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5255, करंट स्टाक 94 है। उन्होंने बताया कि मरीजों एवं उनके परिजनों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

शहर में 7 नालों की सफाई का कार्य जारी

रतलाम. निगम आयुक्त झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा पेपर मिल के पास गुलमोहर कॉलोनी के पास, तेजा नगर ब्लॉक नम्बर 1, गौशाला रोड नागेश्वर व्यायामशाला के पास, इन्द्रलोक नगर मार्निंग स्टार स्कूल के पीछे, गोमदड़े की पुल, ओझाखाली व राजेन्द्र नगर नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के निर्देशन में किया व सफाई नालों व नालियों में ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।